

बाल्फोर घोषणा-पत्र

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में [बाल्फोर घोषणा-पत्र](#) को 107 वर्ष पूरे हुए, जो 2 नवम्बर, 1917 को जारी किया गया था।

- बाल्फोर घोषणा-पत्र (जसिका नाम ब्रिटिश वदेश सचिव आर्थर जेम्स बाल्फोर के नाम पर रखा गया) प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार द्वारा जारी किया गया एक सार्वजनिक दस्तावेज़ था।
 - इसमें फ़िलिस्तीन में "यहूदी लोगों के लिये होमलैंड" की स्थापना का समर्थन किया गया, जो उस समय एक ओटोमन क्षेत्र था, जहाँ यहूदी अल्पसंख्यक आबादी कम थी।
- यह घोषणा-पत्र यूरोप में बढ़ते उत्पीड़न के बीच यहूदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये जारी किया गया था।
- मैकमोहन-हुसैन कॉरस्पॉन्डेंस (1915-1916) में ब्रिटन के पूर्व वादे के विपरीत था, जिसमें उसने ओटोमन साम्राज्य के विरुद्ध अरब की सहायता के बदले में एक स्वतंत्र अरब राज्य का समर्थन करने का वादा किया था।
- ब्रिटन ने मत्रि राष्ट्रों के लिये यहूदियों का समर्थन मांगा ताकि अमेरिका और रूस में यहूदी समुदायों को प्रभावित किया जा सके, साथ ही फ़िलिस्तीन पर नियंत्रण को सवेज़ नहर और भारत में ब्रिटिश हतियों की रक्षा के लिये महत्त्वपूर्ण माना।

//



इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष

इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष, मध्य पूर्व में क्षेत्र और आत्मनिर्णय पर एक लंबे समय से चला आ रहा भूराजनीतिक विवाद है।

शुरुआत

- संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1947 में प्रस्ताव 181- विभाजन योजना का अंगीकरण किया
- वर्ष 1948 में इजराइल राज्य का निर्माण हुआ, जिससे पहले अरब-इजरायल युद्ध की शुरुआत हुई (इजराइल को जीत हासिल हुई)
- फिलिस्तीनी विस्थापित हुए
- क्षेत्र का विभाजन- इजराइल राज्य, वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी

प्रारंभिक तनाव और संघर्ष (1956-1979)

- स्वेज संकट और वर्ष 1956 में सिनाई प्रायद्वीप पर इजरायली आक्रमण
- छह दिवसीय युद्ध (वर्ष 1967)- इजराइल ने सिनाई प्रायद्वीप, गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक, पूर्वी येरुशलम और गोलन हाइट्स पर नियंत्रण हासिल कर लिया।

जेरुसलम के राजधानी बनाने पर विवाद

- इजराइल का दृष्टिकोण: पूर्ण और एकजुट येरुशलम
- फिलिस्तीनियों का दृष्टिकोण: पूर्वी येरुशलम भविष्य की राजधानी

- योम किप्पुर युद्ध (1973)- मिस्र और सीरिया द्वारा आश्चर्यजनक हमला
- कैम्प डेविड एक्ॉर्ड्स (1979) मिस्र और इजराइल के बीच

इतिफादा (अरबी में 'हिला देना')

- पहला इतिफादा- वर्ष 1987 से 1993 तक
 - हमास (वर्ष 1987)- एक फिलिस्तीनी राजनीतिक दल जिसे अमेरिका द्वारा एक विदेशी आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया गया था, की स्थापना का नेतृत्व किया
 - प्रतिक्रिया- मैड्रिड सम्मेलन, 1991 (अमेरिका और रूस की अध्यक्षता में)
- दूसरा इतिफादा- वर्ष 2000-2005
- नवीनतम वृद्धि (वर्ष 2023) को "तीसरी इतिफादा" की शुरुआत कहा जा रहा है

ओस्लो समझौता (अमेरिका द्वारा मध्यस्थता)

- प्रथम (1993)
 - वेस्ट बैंक और गाजा में फिलिस्तीनी स्वशासन के लिये ESTD ढाँचा
 - इजराइल और फिलिस्तीन के बीच पारस्परिक मान्यता को सक्षम बनाया गया

दूसरा (1995)

- ओस्लो I समझौते पर विस्तारित
- वेस्ट बैंक के कई शहरों और कस्बों से इजराइल की पूर्ण वापसी अनिवार्य है

वर्ष 2000 के बाद का संघर्ष और प्रतिक्रियाएँ

- 2013- अमेरिका के नेतृत्व में शांति प्रक्रिया शुरू हुई
- 2014-18- गाजा संघर्ष (2014)
 - फिलिस्तीन ने ओस्लो समझौते (2015) के तहत क्षेत्रीय विभाजन से अलग होने की घोषणा की
- 2018-20- अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (UNRWA) के तहत फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिये फंडिंग रद्द कर दी
 - अमेरिका ने "शांति से समृद्धि" योजना का प्रस्ताव रखा
- 2020: अब्राहम समझौता
- 2022-2023:
 - इजराइल ने जेनिन शरणार्थी शिविर पर किया हमला
 - हमास ने "ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड" लॉन्च किया तथा इजराइल ने "ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड्स" लॉन्च किया (दोनों वर्ष 2023 में)
 - इजराइल ने युद्ध की स्थिति घोषित कर दी
 - भारत का रुख:
 - इजराइल और फिलिस्तीन के लिये दो राज्य समाधान का समर्थन करता है
 - हाल ही में इजराइल पर हमास के हमले को निंदा की



और पढ़ें: [इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष](#)